



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

स. 217]

मई विल्ली, सोमवार, अप्रैल 24, 1989/वैसाख 4, 1911

No. 217]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 24, 1989/VAISAKHA 4, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

### उद्घोष संचालन

(प्राद्यागिक विकास विभाग)

अधिसूचनाएँ

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1989

ग्रा. का. नि. 463 (अ) :-केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, निम्नलिखित आदेश करती है, प्रथम्--

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :--(1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम साधारण सेवा विद्युत लैप (क्षालिटी नियंत्रण) आदेश, 1989 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की सारीख को प्रवृत्त होता।

2. परिमाण :--इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,--

(क) "नमूचित प्राधिकारी" से ग्राद्यागिक विकास विभाग या नागरिक पूर्ति विभाग का कोई प्रधिकारी जो निदेशक की पंक्ति से नोचे का न हो या राज्य सरकार का उचांग निवेशक या इस आदेश के उपबंधों की कायमियत करने के लिए केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों या भारतीय मानक व्यूरो द्वारा नियुक्त समतुल्य पंक्ति का कोई अन्य प्रधिकारी अप्रिवेत है,

(ख) "व्यूरो" से भारतीय मानक व्यूरो अप्रिवेत है,

(ग) साधारण सेवा विद्युत लैप के संबंध में "व्यवहारी" से अप्रिवेत है, वह व्यक्ति, फर्म या हिन्दू अविमक्त कुटुम्ब जो प्रत्यक्ष रूप में या अन्यथा, किसी ऐसे लैप का क्रम करने, उमका विक्रय करने, प्रदाय करने या वितरण करने का कारबाह, चाहे वह नकद या प्रास्यमित संदाय के लिए हो या कर्मिण, पारिश्रमिक या अन्य मूल्यवान प्रतिकल के लिए हो, चलाता है,

(घ) "साधारण सेवा विद्युत लैप" से 100 बाट तक का टग-स्टैन फिलारेट साधारण सेवा विद्युत लैप अप्रिवेत है जिसमें विद्युत करेट के ऊपर से उमका द्वारा गरम की गई बाड़ी से प्रकाश उत्पन्न होता है और जो साधारण प्रकाश के प्रयोग के लिए आवश्यित है,

(ङ) साधारण सेवा विद्युत लैप के संबंध में "विनिमयता" से अप्रिवेत है वह व्यक्ति, फर्म या हिन्दू अविमक्त कुटुम्ब जो, ऐसे किसी लैप का उत्पादन करता है, बनाता है, समंजन करता है या विनिर्णय करता है और उसके अन्तर्गत ऐसा व्यक्ति या फर्म या हिन्दू अविमक्त कुटुम्ब भी है जो, यथास्थिति, ऐसे व्यक्ति या फर्म या हिन्दू अविमक्त कुटुम्ब द्वारा ऐसे लैपों का उत्पादन करने, बनाने, समंजन करने या निर्माण करने का वादा करता है,

(क) "विनिर्दिष्ट भानक" से निम्ननिश्चित अभिप्रेत हैः—  
भारतीय भानक/विनिर्देश

ग्राहीएस सं.

शीर्ष

ग्राहीएस : 418 : 1978

साधारण सेवा विद्युत लैप के  
"लिए विनिर्देश (टेगस्टन फिल्म-  
मेट साधारण सेवा विद्युत लैप)

(छ) "भानक चिह्न" से ऊपर पैरा 2 के खण्ड (च) में यथा उल्लिखित किसी विनिर्दिष्ट भारतीय भानक को अधिकृष्ट करने के लिए घूरो द्वारा विनिर्दिष्ट भारतीय भानक घूरो प्रमाणन चिह्न अभिप्रेत है,

(ज) "राज्य सरकार" के अन्तर्गत संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन भी है।

3. पैरा 2 (च) में विनिर्दिष्ट साधारण सेवा विद्युत लैपों के विनिर्माण, विक्रय, आदि के संबंध में प्रतिवेद्य --- (1) कोई अधिकृष्ट स्वयं या उसकी और से कोई अन्य अधिकृष्ट ऐसे साधारण सेवा विद्युत लैप का विनिर्माण या विक्रय के लिए भंडार, विक्रय या वितरण नहीं करेगा जो विनिर्दिष्ट भानक के अनुरूप नहीं है और वह घूरो के भानक चिह्न के अनुरूप होगा। परन्तु इस अवेदेश को कोई बात किसी ऐसे साधारण सेवा विद्युत लैपों के नियति के संबंध में लागू नहीं होगी जो विनिर्दिष्ट भानक के अनुरूप नहीं है किन्तु विवेशी फ्रेता द्वारा अधिकृष्ट किसी विनिर्देश के अनुरूप है और ऐसा फ्रेता विनिर्देश किसी भी तरफा में विनिर्दिष्ट भानक से कम नहीं होगा।

(2) ऐसे अधोसनाक या बूटि पूर्व साधारण सेवा, विद्युत लैपों या कम्बली सामग्री या भंडारकों, जो विनिर्दिष्ट भानक के अनुरूप नहीं है, उपयोग से परे विस्थित कर दिया जाएगा और उनका स्वैयं के रूप में निपटान कर दिया जाएगा।

4. विनिर्माताओं का प्रमाणीकरण :—(1) पैरा 2 के खण्ड (च) में दर्शित साधारण सेवा विद्युत लैपों के सभी विनिर्माता, इस अवेदेश के जारी होने के 45 विन के भीतर घूरों को, भानक चिह्न का उपयोग करने के लिए अनुशङ्खित प्राप्त करने हेतु आवेदन करेंगे।

(2) भानक चिह्न के उपयोग के लिए घूरो द्वारा अनुशङ्खित की मंजूरी, भारतीय भानक घूरो अधिनियम, 1986 और उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के उच्चारणों के अनुसार होगा।

(3) जहाँ कोई अधिकृष्ट स्वयं या उसकी और से कोई अन्य अधिकृष्ट पैरा 2 के खण्ड (च) में दर्शित साधारण सेवा विद्युत लैपों के विनिर्माण करने का प्रस्ताव करता है, वहाँ वह भानक चिह्न के प्रयोग के लिए पहले घूरों से विभिन्न अनुशङ्खित अभिप्राप्त किए जिना उत्पादन प्रारंभ नहीं करेगा।

(4) पैरा 2 के खण्ड (च) में दर्शित साधारण सेवा विद्युत लैपों के लिए किसी अनुशङ्खित की समाप्ति / रद्द करन पर, घूरो से मिश्र अन्य समुचित अधिकारी को भी सूचित किया जाएगा।

5. भंडारकरण, विक्रय और वितरण का प्रतिवेद्य :—कोई भी अधिकृष्ट स्वयं या उसकी और से कार्य करते हुए कोई अन्य अधिकृष्ट ऊपर पैरा 2 के खण्ड (च) में दर्शित किसी ऐसे साधारण सेवा विद्युत लैप का विक्रय के लिए भंडार, विक्रय या वितरण नहीं करेगा जिस पर घूरो का भानक चिह्न नहीं लगा है और जिसका किसी ऐसे अधिकृष्ट द्वारा विनिर्माण नहीं किया गया है जिसने इस प्रयोजन के लिए कोई प्रमाणन चिह्न अनुशङ्खित अभिप्राप्त कर ली है।

6. जनकारी, आदि मामले की शक्ति—समुचित प्राधिकारी इस आवेदा का अनुपालन सुनिश्चित करने को दृष्टि से—

(क) किसी साधारण सेवा विद्युत लैप के विनिर्माण करने, विशेष के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण में घूरो का विनिर्माण करने, विक्रय के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण के संबंध में आवश्यक समझे या जैसा वह इस आवेदा के क्रियालयन के लिए आवश्यक समझे या किसी अधिकृष्ट से किसी विद्युत लैप के नमूने या किसी विद्युत लैप के संषटक देने की अवेदा कर सकेगा,

(ख) किसी साधारण सेवा विद्युत लैप के विनिर्माण करने, विक्रय के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण में लगे किसी अधिकृष्ट द्वारा रखी गई या उसकी या उसके कब्जे या नियंत्रण के अधीन कोई पुस्तकों या अन्य दस्तावेजों या किसी साधारण सेवा विद्युत लैप या ऐसे किसी लैप के संषटकों का निरीक्षण कर सकेगा या करवा सकेगा,

(ग) पैरा (8) के प्रधीन प्राधिकृष्ट किसी अधिकारी से किसी परिमार में प्रवेश और तलाशी करवा सकेगा और किसी साधारण सेवा विद्युत लैप का, जिसके बारे में उनके पास विषयास करने का कारण है कि इस आवेदा का उल्लंघन हुआ है या उक्त साधारण सेवा विद्युत लैप विनिर्दिष्ट भानक का नहीं है, अभिग्रहण कर सकेगा,

(घ) तलाशी और अभिग्रहण में संवंधित दण्ड प्रक्रिया महिला, 1973 (1974 का 2) की धारा 100 के उल्लंघन, जहाँ तक संभव हो, इस खण्ड के अधीन तलाशी और अभिग्रहण को लागू होंगे।

7. नमूने का परीक्षण :—किसी ऐसे साधारण सेवा विद्युत लैप के नमूने का, वह अभिनिश्चित छरने के लिए कि जिस पर मानक चिह्न लगा है और समुचित प्राधिकारी द्वारा अनुशङ्खित प्रयोगशाला में और घूरो द्वारा प्राप्तव्यवहारित रीति में परीक्षण किया जाएगा।

8. शक्तियों का प्रस्तावीयन :—समुचित प्राधिकारी, लिखित स्वप में किसी साधारण या विशेष आवेदा द्वारा, इस आवेदा के अधीन अपने निमित्त अपने सभी या किन्तु हरीयों का प्रयोग करने के लिए किसी अधिकारी को प्राधिकृष्ट कर सकेगा: परन्तु कोई भी ऐसा अधिकारी जो राजपत्र पक्षित का नहीं है और घूरों की वशा में जो राजपत्र अधिकारी को पक्षित के समतुल्य नहीं है, पैरा 8 के खण्ड (ग) के प्रधीन तलाशी और अभिग्रहण की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए समुचित प्राधिकारी द्वारा प्राधिकृष्ट किया जाएगा।

9. विनिर्माताओं और व्यवहारियों को निदेश जारी करने की शक्ति :—समुचित प्राधिकारी, विनिर्माताओं और व्यवहारियों को, इस आवेदा के उपबंधों से संगत ऐसे निदेश जारी कर सकेगा जो इस आवेदा के प्रयोगशाला को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

10. निदेशों का अनुपालन :—किसी साधारण सेवा विद्युत लैप के विनिर्माण, विक्रय के लिए भंडार करने, विक्रय या वितरण में लगे दुप्रा प्रत्येक अधिकृष्ट, जिसे इस आवेदा के अधीन कोई निदेश जारी किया जाता है, ऐसे निदेश का पालन करेगा।

11. सूचना देने की आवश्यकता :—कोई भी विनिर्माता या व्यवहारी, इस आवेदा के उपबंधों से बचने के आवश्यक से, पैरा 6 के अधीन उपसे विधिपूर्वक मापी गई सूचना देने से इकार महीं करेगा या ऐसे अधिकृष्ट द्वारा रखे गये या ऐसे अधिकृष्ट के कब्जे या नियन्त्रण में किसी गही या दस्तावेज पैरा 2 के खण्ड (च) में दर्शित किसी साधारण सेवा

विद्युत लैप को न छिपाएगा, न नष्ट करेगा, न विद्युत करेगा और न विस्फीटा करेगा।

12. शास्त्रिः—कोई भी उद्यमित, जो इस आदेश के किसी उद्देश्यों का उल्लंघन करेगा, या उनके प्रधान किंवा गण किसी निवेश में अवृद्धि-पैकी को पूरा करने में असफल रहेगा, वह दंडनाम होगा और उस मंत्रित का, जिसको बबत्त आदेश का उल्लंघन हुआ है, प्रावधारक चम्पत्ति अधिनियम, 1955 (1955 का 10) का द्वारा 2 के प्रधान चम्पहरण किया जा सकेगा।

13. प्रयोगः—(1) समुद्धिक प्राविकारों के किसी विनिष्ठत्व से उद्यित कोई विनियोगी वा उद्यमित, ऐसे विनिष्ठत्व का संभूतता देने वाले प्रवेश का प्राप्ति का तारीख से 30 दिन के भीतर केवल यसकार का लिखित रूप में अपेक्षा कर सकेगा:—

परम्पुरा केवल सरकार, पूर्वोक्त अधिकारी को समाप्ति के पश्चात् यी, कोई अपाल सरकार कर सकती यदि उनका यह समाधान हो जाता है कि समय के भीतर अपेक्षा फाइल करने में अपेक्षार्थी परवान कारणों से निवारित हो गया था।

(2) उपर्युक्त (1) के अध्येतर अपाल को प्राप्ति पर, केवल यसकार, अपालार्थी को सूतशाही का अवज्ञा देने के पश्चात्, ऐसा आदेश यथानु कर सकती जैसा वह ठीक समझता है।

14. विस्तार और व्याख्या:—माध्यमण में विद्युत लैप (व्याख्या नियंत्रण) आदेश, 1986 को, मिथाय उन बातों के, जिन्हें ऐसे विस्तार से पूर्व किया गया है या करने का लाप किया गया है, मिरसित किया जाता है।

[का. म. 4 (29)/84-वि, उद्योग--9]  
ए.ल. मानसिंह, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
(Department of Industrial Development)  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 24th April, 1989

G.S.R. 463(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955) the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) This Order may be called the General Service Electric Lamps (Quality Control) Order, 1989.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In this Order, unless the context otherwise requires:

(a) 'Appropriate Authority' means any officer not below the rank of Director in the Department of Industrial Development or Civil Supplies or Director, Industries of the State Government or any other officer of equivalent rank appointed by the Central or the State Governments or by the Bureau of Indian Standards to implement the provisions of this Order;

(b) 'Bureau' means Bureau of Indian Standards;  
(c) 'Dealer' in relation to General Service Electric Lamps means a person who or a

firm or a Hindu undivided family which, carries on, directly or otherwise, the business of buying, selling, supplying or distributing any such lamps, whether in cash or for deferred payment or for commission, remuneration or other valuable consideration;

(d) 'General Service Electric Lamps' means a tungsten filament general service electric lamps upto 100 watts in which light is produced by means of body heated to incandescence by the passage of electric current and intended for use for general lighting purposes;

(e) 'Manufacturer' in relation to general service electric lamps means a person so, or a firm or a Hindu undivided family which, produces, makes, assembles or manufactures any such lamps and includes a person who or a firm or a Hindu undivided family which claims such lamps to be produced, made, assembled or manufactured by such person or firm or Hindu undivided family, as the case may be:

(f) 'specified standard' means the following:

Indian standard/specification :

IS No.	TITLE
Is: 418:1978	Specification for General Service Electric Lamps (Tungsten Filament General Service Electric Lamps)

(g) 'Standard Mark' means the Bureau of Indian Standards Certification Mark specified by the Bureau to represent a particular Indian Standard as stated in clause (f) of paragraph 2 above.

(h) 'State Government' includes a Union Territory Administration.

3. Prohibition regarding manufacture, sale etc. of general service electric lamps specified in paragraph 2(f).—(i) No person shall be himself or by any person on his behalf manufacture or store for sale, sell or distribute any general service electric lamp which does not conform to the specified standard and it shall bear the Standard Mark of the Bureau. Provided that nothing in this Order shall apply in relation to export of general service electric lamps which do not conform to the specified standard but conform to any specification required by the foreign buyer and such buyers' specification shall not in any case be less than the specified standard.

(2) The sub-standard or defective general service electric lamps or raw-material or components which do not conform to the specified standard shall be deformed beyond use and disposed of as scrap.

**4. Certification of manufacturers.**—(1) All manufacturers of general service electric lamps shown in clause (f) of paragraph 2, shall make an application to the bureau for obtaining licence for use of the standard mark, within 45 days of the issue of this Order.

(2) The grant of licences by the Bureau for use of the Standard Mark shall be as per provisions under the Bureau of Indian Standards Act, 1986, and the Rules and Regulations framed, thereunder.

(3) When any person himself or by any person on his behalf on his behalf proposes to manufacture general service electric lamps shown in clause (f) of paragraph 2, he shall not commence production without first obtaining a valid licence from the Bureau for use of the Standard Mark.

(4) Consequent to the lapsing/cancellation of any licence by the Bureau for general service electric lamps shown in clause (f) of paragraph 2, other Appropriate Authorities other than the Bureau shall also be informed.

**5. Prohibition of storage, sale and distribution.**—No person shall himself or by any person acting on his behalf store for sale, sales or distribute any general service electric lamp shown in clause (f) of paragraph 2 above which does not bear the Standard Mark of the Bureau and manufactured by a person who has obtained a Certification Mark Licence for the purpose.

**6. Power to call for information etc.**—The appropriate Authority may with a view to securing compliance with this Order :

(a) require any person engaged in the manufacture, storage for sale, sales or distribution of any general service electric lamp to give such information as it deems necessary in relation to the manufacture, storage for sale, sale or distribution of any general service electric lamp for the implementation of this order or require any such person to furnish to it samples of any electric lamp or any component of any electric lamp.

(b) inspect or cause to be inspected any books or other documents or any general service electric lamp or the components of any such lamps kept by or belonging to or in the possession or under the control of any person engaged in the manufacture, storage for sale, sale or distribution of any general service electric lamps.

(c) cause an officer authorised under paragraph (8) to enter and search any premises and seize any general service electric lamp in respect of which it has reason to believe that contravention of this Order has been committed or the said general service electric lamp is not of the specified standard.

(d) the provisions of section 100 of the Code of Criminal Procedure 1973 (2 of 1974) relating to search and seizure shall so far as, may be, applied to searches and seizure under this clause.

**7. Testing of samples.**—Samples of any general service electric lamp bearing the Standard Mark and drawn by the Appropriate Authority, for establishing whether it is of the specified standard, shall be tested in the laboratory approved by the Bureau and in the manner as determined by the Bureau.

**8. Delegation of powers.**—The Appropriate Authority may general or special order in writing authorise any officer to exercise on its behalf all or any of its functions under this order provided that no officer who is not a Gazetted rank, and in the case of Bureau who is not of rank equivalent to gazetted officer, shall be authorised by the Appropriate Authority to exercise the powers of search and seizure under clause (c) of paragraph 6.

**9. Power to issue direction to manufacturers and dealers.**—The appropriate Authority may issue such directions to manufacturers and dealers, consistant with the provisions of this Order, as may be necessary in carrying out the purpose of this Order.

**10. Compliance of directions.**—Every person engaged in the manufacture, storage for sale, sale or distribution of any general service electric lamps, to whom any direction is issued under this Order, shall comply with such direction.

**11. Obligation to furnish information.**—No manufacturer or dealer shall with intent to evade the provisions of this Order, refuse to give any information lawfully demanded from his under paragraph 6 or conceal, destroy, mutilate or deface any books or documents or any general service electric lamp shown in clause (f) of paragraph 2 kept by such person or in the possession or control of such person.

**12. Penalty.**—Any person who contravenes any of the provisions of this order or fails to carry out any direction or requisition made thereunder shall be punishable and the property in respect of which the order has been contravened, shall be liable to forfeiture under section 7 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955).

**13. Appeal.**—(1) Any manufacturer or dealer aggrieved by any decision of the appropriate Authority may prefer an appeal in writing to the Central Government, within 30 days from the date of receipt by him of the copy of the order communicating such decision :

Provided that the Central Government may admit any appeal after the expiry of the period aforesaid if it is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from filing the appeal in time.

(2) On receipt of the appeal under sub-clause (1) the Central Government may, after giving the appellant an opportunity of being heard, pass such order as may deem fit.

**14. Repeal and Saving.**—The General Service Electric Lamps (Quality Control) Order 1986, is hereby repealed, except in respect of things done or omitted to be done thereunder before such repeal.

[F. No. 4(29)184-El. Ind V. III]

L. MANSINGH, Jt. Secy.